Pehel

first step towards journey...

OWM In-House Magazine

ISSUE II JAN - JUNE 2015 II CORPORATE HR

Dear Colleague,

"Achieving Organizational Greatness Through Great Leaders, Effective Individuals, and Focused Execution". My deepest pride, however, comes from the way we achieve our goals. We succeed with uncompromising integrity. When we face difficult decisions during the course of our work, we choose the ethical course of action. Honesty, fairness and respect are not sacrificed in pursuit of profits.

We acknowledge our Employee's for their commitment and dedication to the company. At the same time we recognize that a large family should be bonded by a common vision and driven by similar values. All employee's needs to be familiar with the company's goal, culture and values it stands for, be clear of its expectations and aware of own responsibilities. This will help us work more productively, be better team players, enjoy what we do and above all, provide service that meets or exceeds expectations. We urge all employees to look at their jobs objectively for opportunities to save work, cut down non value added activities.

Regards

(JL Oswal)

Dear Friends,

We belive that success for both the employee and the Company is determined by employee's ability to produce quality products & rendering exceptional services very efficiently. Every person's job is important, not only to their own success, but also to the success of every other person at OWM. We welcome employee suggestions for improvement, wherever that may be. While we have seen great success, we are hungry to do more. Our industry does respect tradition-now it yearns for innovation.

"To paraphrease a quote from Oscar Wilde-we need to believe in the impossible and remove the "im" probable". This starts with clarity of purpose and sense of mission that will lead us to imagine the impossible and deliver it. Next, every one of us needs to do our best work, lead and help drive cultural change. We sometimes underestimate what we each can do to make things happen and overestimate what others need to do to move us forward. We must change this. Finally, we truly believe that each of us must find meaning in our work. The best work happens when you know that it's not just work, but something that will improve & bring favorable changes. This is the opportunity that drives each of us at this company. Many companies aspire to change & rule the world. But very few have all the elements required: talent, resources, and perseverance. OWM has proven that it has all three in abundance. Let's maintain this OWM legacy of success & integrity.

Regards

(Sandeep Jain)

(FOR IN HOUSE CIRCULATION ONLY)

अनमोल वचन

समय,सत्ता,सम्पति और शरीर
चाहे साथ दें न दें लेकिन,
स्वभाव,समझदारी,सत्संग और
सच्चे सम्बन्ध हमेशा साथ देते है ।
जरूरी नहीं कि हर समय जुबां पर,
भगवान का नाम आये ।
वो लम्हा भी भक्ति का है,
जब इन्सान-इन्सान के काम आये ।
क्यों डरें कि जिदंगी में क्या होगा,
हर वक्त क्यों सोचें कि बुरा होगा,
कुछ भी नहीं मिला तो क्या होगा,
तर्जुबा तो नया होगा ।

समशेर सिंह
S/OFFICER W-3

घ्रणा

घ्रणा न करो किसी से, ईर्ष्या का जहर न पालो ।
गल्ती हो जाये किसी से, तो क्षमा उसे कर डालो ।
बुरे विचार रखने से, मन अपना मैला होता है ।
बुरी भावनाएं जन्म लेती हैं,चरित्र अपना दूषित होता है ।
बुरा किसी का सोचोगे, तो अपना भी भला न होगा ।
कष्ट किसी को दोगे तो, क्लेश तुम्हें भी होगा ।

माँ

मेरी प्यारी मां तू कितनी प्यारी है,
जग है अंधियारा तू उजियारी है ।
शहद से मीठी है तेरी बातें,
आशीष तेरा है जैसा हो बरसातें ।
डांट तेरी है मिर्ची से तीखी,
तुझ बिन जिन्दगी है कुछ फीकी ।
तेरी आंख में छलकते हैं प्यार के आंसू,
अब मैं तुझसे मिलने को तरसू ।
मां होती है भोली भाली
सबसे सुन्दर प्यारी-2

विरेन्दर कुमार
HRD

ऐसा न करे

मंदिर में पूजा करे घर में करे क्लेश,
बापू तो बोझ लगे पत्थर लगे गणेश ।
बचे कहाँ अब शेष है दया धर्म इन्सान,
पत्थर के भगवान है पत्थर दिल इन्सान ।
पत्थर के भगवान को लगते छप्पन भोग,
मर जाते है फुट पाथ पर भूखे प्यासे लोग ।
फैला है पाखंड का अंधकार सब ओर,
पापी करते है जागरण मचा-मचा कर शोर ।
पहन कर मुखौटा धर्म का करते दिनभर पाप,
भंडारे करते फिरते घर में है भूखा बाप ।

जनक राज
OPERATOR (ASHIAN)

हमारी बेटियाँ

ओस की बूंद सी होती हैं बेटियाँ,
स्पर्श खुदरा हो तो रोती है बेटियाँ ।
शोषन करेगा तो एकी ही कुल को,
दो-दो कुलों की लाज को निभाती हैं बेटियाँ ।
कोई नही दोस्तो एक दूसरे से कम,
हीरा अगर है बेटा तो मोती है बेटियाँ ।
काँटों की राह पर खुद चलती रहेंगी,
औरों की राहों में फूल बोती है बेटियाँ ।
विधी का विधान यही दुनियां का रहा,
मुट्ठी में भरे नीर सी होती हैं बेटियाँ ।

नीरज कुमार
(YARN DYEING)

जीवन तेरे रुप अनूप

कोई कहता जीवन एक खेल है,
इस खेल में कोई पास तो कोई फेल है ।
कोई कहता जीवन टिमटिमाती लौ है,
हवा के एक झोंके से बुझ जाती है ।
कोई कहता जीवन एक बुलबुला है,
पलक झपकते ही जो गुम हो जाता है ।
कोई कहता जीवन एक सपना है,
एक बार टूट गया तो कौन पराया कौन अपना है ।
कौन कहता जीवन एक तोहफा है,
जो ऊपर वाले ने हमे बड़े प्यार से सौंपा है ।
कोई कहता जीवन एक दौड़ है,
यहाँ हर किसी को आगे बढ़ने की होड़ है ।
कोई कहता जीवन एक माया है,
अब तक न कोई इसका भेद जान पाया है ।
कोई कहता जीवन एक सत्य है,
मान अपमान, लाभ हानि, सुख दुख इसके तथ्य है ।
मैं कहता हूं जीवन तेरा रुप अनूप,
सदा एक सा नही कभी छाँव तो कभी धुप ।
जीवन तेरा रुप अनूप ॥

जिन्दगी की रंगतों को देख कर

एक नई सूरत बची है आजमाकर देखिये,
दुश्मनों को भी दिल से लगाकर देखिये ।
छोड़िये रंगीन चश्में को चढ़ाना आँख पे,
जिन्दगी की रंगतों पास जाकर देखिये ।
रोज खुश रहने में यारों कुछ मजा आता नहीं,
बात तो तब है कि थोड़े गम भी खाकर देखिये ।
कल बड़ी मासूमियत से आईने ने यह कहा,
हो सके तो आज मुझको मुस्कुरा कर देखिये ।
खुशबुओं के काफिले जाएगें खुद ही दूर तक,
संग फूलों के कभी खिलखिला कर देखिये ।

दिनेश कुमार
H.R.D

अच्छी बातें

1 चिंता आयू को खा जाती है
2 सबसे अच्छा दान क्षमा दान है
3 सबसे बहादुर बदला न लेने वाला है
4 तकदीर से अच्छी कोई समझदारी नही है
5 रिश्वत इन्साफ को खा जाती है
6 पछतावा पाप को धो देता है
7 निन्दा से शुभ कर्म नष्ट हो जाते है
8 नेकी बुराई को खा जाती है
9 ज्ञान से बढ़कर कोई दौलत नही है

विनय कुमार
W-5

जिंदगी

आहिस्ता चल जिंदगी, अभी,
कई कर्ज चुकाना बाकी है ।
कुछ दर्द मिटाना बाकी है,
कुछ फर्ज निभाना बाकी है ।

रफतार में तेरे चलने से,
कुछ रुठ गए कुछ छूट गए ।
रुठों को मनाना बाकी है,
रोते को हँसाना बाकी है ।

कुछ रिश्ते बनाकर टूट गए,
कुछ जुड़ते-जुड़ते छूट गए ।
उन टूटे-छूटे रिश्तों के,
जख्मों को मिटाना बाकी है ।

कुछ हसरतें अभी अधूरी है,
कुछ काम भी और जरुरी है ।
जीवन की उलझ पहेली को,
पूरा सुलझाना बाकी है ।

जब साँसों को थम जाना है,
फिर क्या खोना, क्या पाना है ।
पर मन के जिद्दी बच्चे को,
यह बात बताना बाकी है ।

आहिस्ता चल जिन्दगी, अभी,
कई कर्ज चुकाना बाकी है ।
कुछ दर्द मिटाना बाकी है,
कुछ फर्ज निभाना बाकी है ।

मदन लाल
Shift Officer (W-2)

जो आसानी से मिले वो है :- धोखा
जो मुश्किल से मिले वो है :- ईज्जत
जो दिल से मिले वो है :- प्यार
और जो नसीब से मिले वो है :- दोस्त
बात इतनी मधुर रखो कि कभी वापिस लेनी
पड़े तो खुद को कड़वी न लगे ।

बबलू कुमार
W-5

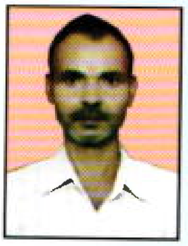

1 भूखा पेट खाली जेब और झूठा प्रेम इन्सान को,
जीवन में बहुत कुछ सिखा जाता है ।

2 एक मात्र मनुष्य ही ऐसा प्राणी है,
जो पेड़ काटता है और लिखता है,
"पेड़ बचाओ"

3 चरण उनके ही पूजे जाते है,
जिनके आचरण पूजने योग्य होते है ।

4 कदर करनी है तो जीते जी करो,
अर्थी उठाते वक्त तो नफरत करने वाले भी रो पड़ते है ।

5 मंदिर में भगवान है जिसे हमने बनाया है,
घर में माँ बाप वो भगवान है जिन्होंने हमें बनाया है ।

मुन्ना लाल
W-5

वक्त की कीमत

साल की कीमत उस शख्स से पूछिए,
जो फेल हुआ हो......

महीने की कीमत उस शख्स से पूछिए,
जिसे पिछले महीने तनख्वाह न मिली हो......

हफ्ते की कीमत उससे पूछिए, जो पूरा हफ्ता
अस्पताल में रहा हो......

रोटी की कीमत उससे जानें, जो दिनभर से
भूखा हो......

घंटे की कीमत उससे पूछें, जिसने किसी का
इंतजार किया हो......

मिनट की कीमत उस व्यक्ति से पूछें, जिसने
ट्रेन मिस की हो......

सेकेंड की कीमत उससे जानें, जो दुर्घटना से
बाल-बाल बचा हो......

नित्यानन्द झा
H.R.D

जीवन के पाँच अनमोल विचार

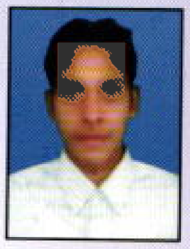

1 जो आपकी सहायता कर रहा है ।
उत्तर : उसे कभी न भूलें ॥

2 जो आपको प्यार दे रहा है ।
उत्तर : उससे नफरत न करें ॥

3 जो आप पर विश्वास कर रहा है ।
उत्तर : उसको धोखा न दें ॥

4 जिस दिन तुम्हारे कारण माँ बाप की आँख में आँसू आते है ।
उत्तर : याद रखना उस दिन तुम्हारा सारा धर्म आँसू में बह जाता है ॥

5 धन को बर्बाद करने पर तो आप केवल निर्धन होते है ।
लेकिन समय बर्बाद करने पर आप जीवन का एक हिस्सा गवाँ देते है ॥

चुटकले

भिखारी : क्या बात है साहब पहले सौ रुपये देते थे
बाद में पचास, फिर पच्चीस, अब सिर्फ दस देते है
पहलाद कुमार : पहले मैं कुवांरा था तो मैं सौ देता था
फिर मेरी शादी हो गई तो पचास, एक बच्चा हो गया
तो पच्चीस अब दो बच्चे है तो दस देता हूं
भिखारी : वाह साहब आपके पूरे परिवार का खर्चा
तो मेरे पैसों से चल रहा है ।

दीपक कुमार
Wool Comber

जिन्दगी भर नाचती रही माँ

जिन्हें सुलाने के लिए तू रात भर जागती रही माँ ।
वो औलाद जवान होकर तुझसे दूर भागती रही माँ ।
इस बात से बेपरवाह कि क्या गुल खिलाएगी बहू ।
अपने गहने बेच कर बेटों को बियाहती रही माँ ।
लॉग ड्राइव पर गए बहू बेटे लौटे देर रात को घर ।
बुखार से टूटता हुआ बदन लेकर कराहती रही माँ ।
आज जब बहू ने दी थाली में फेंक कर जली रोटीयां ।
बहुत देर तक अपने पती की तस्वीर को ताकती रही माँ ।
अपना खून नमक हराम निकला और भूल गया माँ को ।
अपने बेटों के लिए किस तरह जिन्दगी भर नाचती रही माँ ।

धीरज श्रीवास्तव
R/C Maintnance

एक पहचान

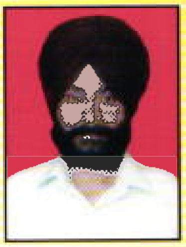

एक पहचान हजारों दोस्त बना देती है,

एक मुस्कान हजारों गम भुला देती है ।

जिन्दगी के सफर में सभंलकर चलना दोस्तो,

एक गल्ती हजारों सपने जलाकर राख कर देती है ।

सच्चाई

मौत एक सच्चाई है यारो,

इसमें कोई ऐब नहीं ।

जिन्दगी से क्या ले जाओगे यारो,

कफन में तो कोई जेब नहीं ।

वक्त

जिन्दगी हसीन है जिन्दगी से प्यार करो,

हो रात तो सुबह का इन्तजार करो ।

वो पल भी आएगा जिस पल का इंतजार है आपको,

बस रब पर भरोसा और वक्त पर एतबार करो ।

जगजीत सिंह
Security

खूबसूरती की परिभाषा

खूबसूरत है वह एहसास,

जिसमें प्यार की मिठास हो जाएं ।

खुबसुरत है वो सोच,

जिसमें किसी की सारी खुशी छुप जाएं ।

खूबसूरत है वो दामन,

जो दुनिया से किसी के गमों को छुपा जाए ।

खूबसूरत है वो आंसू,

जो किसी और के गम में बह जाएं ।

खूबसूरत है वो दिल,

जो किसी के दुख में शामिल हो जाएं ।

खूबसूरत हो वो जज्बात,

जो दूसरों की भावनाओं को समझ जाएं ।

खूबसूरत है वो आँखे,

जिनमें किसी के खूबसूरत ख्वाब समा जाएं ।

राहुल कुमार
W-5

Training Programme On Environment

Safety Week-Awareness On Safety

Fire Safety Training

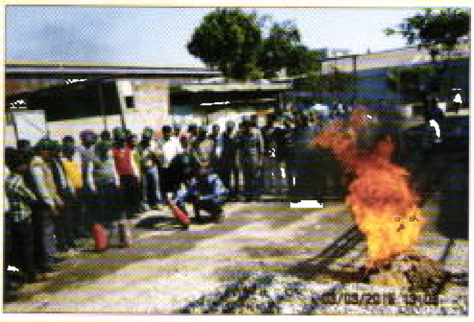

Driver Safety Quiz

Chalta Bolta Quiz In Plant

Chalta Bolta Quiz In Office

Holi Celibration In Labour Colony

Vehicles Safety Audit

Workers & Supervisors Safety Quiz

Audio Visual Safety Training

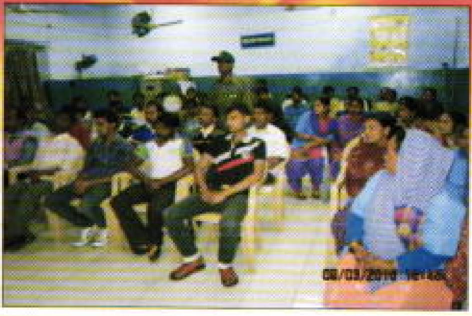

First Aid Training

Safety Slogan Competition Winners

House Keeping Competition

Editor : Mahak Singh | Editorial : Shailender Shukla, Vaishali Lamba

Janmashtmi Celebration - Labor Colony

Housekeeping Competition

Pre-Diwali Celebration in Office

Pre-Diwali Celebration - Labor Colony

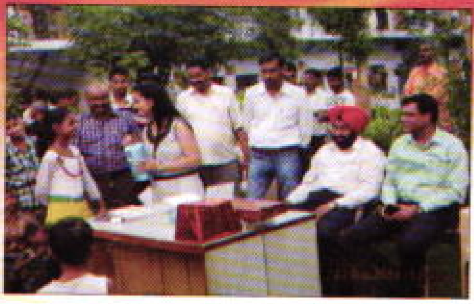

Swachh Factory Abhiyan

Kaizen Presentation & Award Ceremany

Free Eye Check-up Camp

Editor : Mahak Singh | Editorial : Shailender Shukla, Vaishali Lamba